## एक नजर में

### बोड़ा में 73 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जप्त

**बोड़ा 25 अप्रैल, सं.** एसडीओपी नरसिंहगढ़ सुश्री मिनी शुक्ला के नेतृत्व में थाना बोडा पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई. 24 अप्रैल को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गुलखेड़ी में स्कूल के पीछे एक व्यक्ति अवैध शराब का विक्रय कर रहा है. सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना बोडा पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई. कार्यवाही के दौरान आरोपी अनिल पिता लाखन सासी निवासी ग्राम गुलखेड़ी को पकड़कर उसके कब्जे से 73 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब कीमत लगभग 57 हजार 800 रूपए की जप्त की गई. कार्यवाही में थाना प्रभारी बोडा उनि देवेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम की ओर से प्रधान आरक्षक राम नारायण जटिया, आरक्षक धनसिंह, कपिल अटारिया, दुष्यंत, पर्वत सिंह, महेश राजपूत शामिल रहे.

### 42 डिग्री पर पहुंचा तापमान

**ब्यावरा 25 अप्रैल, का.** शनिवार को अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी होते हुए पारा 42 डिग्री पर जा पहुंचा जो इस सीजन का सर्वाधिक पारा रहा. तापमान बढ़ने के साथ ही गर्म हवाओं के प्रकोप ने परेशानी और बढ़ा दी .गौरतलब है कि अप्रैल माह के अंतिम दिनों में अधिकतम तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला बना हुआ है. कभी तापमान में गिरावट तो कभी बढ़ोत्तरी का क्रम चल रहा है. मौसम विभाग भोपाल के अनुसार शुक्रवार को 41 डिग्री पर रहा पारा शनिवार को 42.9 डिग्री पर जा पहुंचा. इस गर्मी के सीजन का यह सर्वाधिक तापमान रहा. शनिवार को सुबह से ही गर्मी के तीखे तेवरों का सामना करना पड़ा. दोपहर के समय खुले आसमान के नीचे निकलना तक मुश्किल हो गया. मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अधिकतम तापमान 42 डिग्री के आसपास ही बना रहेगा.

### मां सुदर्शनी मंदिर के पास रोज बह रहा पानी

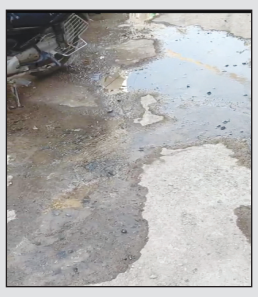

**सारंगपुर 25 अप्रैल, सं.** नगर में पानी की बर्बादी एक गंभीर समस्या है. जिसके मुख्य कारणों में अवैध नल कनेक्शन, पाइपलाइनों में रिसाव और जागरूकता की कमी शामिल हैं. शहर में 22-25 प्रतिशत पानी चोरी या परिवहन के दौरान बर्बाद हो जाता है. जिससे गर्मी में कई इलाके पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ता हैं. इसी तरह का मामला वार्ड क्रमांक 16 सुदर्शन नगर में सामने आया है. जहां मां सुदर्शनी मंदिर और पूर्व पार्षद मूलचंद वर्मा के मकान के पास पेयजल सप्लाई के दौरान लगातार पानी बहता है. वार्ड वासी योगेंद्र यादव ने बताया कि हमारे द्वारा वार्ड पार्षद से लेकर नगर पालिका के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ. जिससे पानी की बर्बादी प्रतिदिन होती है.


### जमीन बेचना है

2 बीघा जमीन कचनारिया टोल प्लाजा धर्म काटा से लगी भूमि बाईपास ब्यावरा से 2 किमी भोपाल रोड नेशनल हाईवे क्रमांक 46 पर फ्रंट लगभग 300 फीट स्कूल कॉलेज दुकान होटल बिजनेस हेतु उपयुक्त डिमांड 2.5 ढाई करोड़ रूपये.
**मो. नं. - 7803874337**
*बिल: 26 अप्रैल*


# प्राचीन संरचनाओं की उपेक्षा का अभिशाप बना जलसंकट

## भीषण गर्मी में प्यास बुझाने वाले कुएं, पोखर, कुंडियों की अनदेखी, ट्यूबवेल पर निर्भर रहने वाला समाज जलसंकट से जूझने को मजबूर

**जल गंगा संवर्धन अभियान में चिंहित की जा सकती हैं पुरानी जल संरचनाएं**

नवभारत न्यूज

**ब्यावरा 25 अप्रैल,का. ट्यूबवेल पर निर्भर रहने वाला समाज आज जलसंकट से जूझने को मजबूर है. यह जलसंकट समाज के लिये प्राचीन संरचनाओं की उपेक्षा का अभिषाप बन गया है. एक दौर था जब हर गांव-कस्बों में एक ऐसी जलसंरचना थी जिसके माध्यम से गांव की पूरी आबादी पानी पीती थी. आज इन संरचनाओं का कोई नाम लेने वाला नहीं है. वे कचरे के ढेर में समाई हुई है. जल गंगा संर्वधन अभियान में इन प्राचीन जल सरंचनाओं को खंगाला जा सकता है.**

राजगढ़ जिले में ही नहीं हिन्दुस्तान के हर गांव-कस्बे में पेयजल हेतु कुएं, पोखर, बावड़ियों, कुंडियों के रूप में एक जल संरचनाएं होती थी. इन्हीं के माध्यम से समाज का हर वर्ग भीषण गर्मी में भी अपनी प्यास बुझाता था.

करीब तीन दशक पूर्व जैसे ही समाज ने धरती के गर्भ को चीरते हुए ट्यूबवेल का उपयोग शुरू किया तभी से एक ऐसे अदृश्य जल संकट ने घर बना लिया जो कालांतर में समाज के लिये अभिषाप बना हुआ है.

ट्यूबवेल पर निर्भर रहने वाले समाज ने एक के बाद एक ट्यूबवेल करवाकर ऐसी कल्पना कर ली थी कि जलसंकट का उनके जीवन से अंत हो गया है. जिस गांव में कभी दो चार सार्वजनिक ट्यूबवेल हुआ करती थी आज वहां सार्वजनिक और व्यक्तिगत मिलाकर दो-ढाई सो से कम ट्यूबवेल नहीं है.

धरती के गर्भ को झलनी करने वाले समाज ने हपसी पने के कारण खुद को तो प्यासा मरने को मजबूर किया ही पड़ोसी को भी पानी मुक्त कर दिया है. इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह हुआ कि प्राचीन जल स्त्रोत बर्बाद हो गये.

**जल गंगा संर्वधन अभियान में चिंहित हो पुरानी जल संरचनाएं...** शासन-प्रशासन प्रतिवर्ष जल संवर्धन अभियान के तहत गर्मी में जल संग्रहण के कार्य करता है. बेहतर होगा अगर प्रशासन पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ गांवों की उन प्राचीन जल संरचनाओं को खंगाले जो कभी पूरे गांवों की प्यास बुझाती थी.

इन संरचनाओं को चिन्हित कर अगर इन्हें गंगा संर्वधन अभियान के तहत उनका जीर्णोद्धार करने का संकल्प ले तो इसके बहुत बेहतर परिणाम आ सकते है. गांवों में आज भी उन संरचनाओं के प्रति सम्मान है. अगर समाज को इस दिशा में जोड़ा जाए, प्राचीन जल संरचनाओं के प्रति लगाव पैदा किया जाए तो बिना किसी शासकीय अनुदान के ग्रामीणजन उन प्राचीन जल संरचनाओं को इतना स्वच्छ निर्मल कर लेंगे कि उनके लिये वर्ष भर जल संकट से मुक्ति का माध्यम बन सकता है. आवश्यकता ग्रामीणों को एक माहौल देने की है. जिला कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ इच्छित गढ़पाले को अगर इस कार्य में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि सहयोग व समर्थन दे तो जिले के कई गांवों की तस्वीर बदल सकती है.

**ब्यावरा.** ग्राम गिंदोरहाट में जगदीश साहु का पैतृक प्राचीन कुंआ. जो कभी पूरे गांव की प्यास बुझाता था आज अनदेखी के कारण गंदगी से पटा है.

**ब्यावरा.** ग्राम गिंदोरहाट में हनुमान मंदिर के पीछे स्थित प्राचीन कुंआ जो वर्तमान में गंदगी के कारण अस्तित्व विहीन हो चुका है.

### प्राचीन जल स्त्रोत प्यास बुझाते समय तक पूज्यनीय थे

प्रत्येक गांव में पुरानी पीढ़ी के लोग आज भी बड़े गर्व से यह बताते थकते नहीं है कि हमारे गांव में फलाना कुंआ, कुंडी, बावड़ी भारी गर्मी में भी पूरे गांव को पानी पिलाती थी. दुर्भाग्य से आज उस कुंआ, कुंडी, बावड़ी का पता नहीं है. पता भी है तो वह या तो कचरे के ढेर में दबी है अथवा उसमें दुनिया जहां की गंदगी समाई हुई है. जिस समय तक प्राचीन जल स्त्रोत के रूप में गांव के कुंआ, कुंडी, बावड़ी से ग्रामीण पानी पीते थे उस समय तक गांव के लोगों के लिये यह भी जल स्त्रोत पूज्यनीय हुआ करते थे. हर वार-त्यौहार उनकी पूजा होती थी. ट्यूबवेल आने की खुशी में समाज के लोगो ने इन प्राचीन जल स्त्रोतो की ऐसी उपेक्षा की कि उनकी ओर देखना ही बंद कर दिया. यहीं कारण है कि आज गांवों में जलसंकट मार्च-अप्रैल से पसरा हुआ नजर आता है.

हमारा प्रयास होगा कि गांव की पुरानी जल संरचनाएं पुर्नजीवित हो. इसके लिये संबंधित पंचायत, जनपद से अपेक्षा है कि वे हर गांव में इस प्रकार की संरचनाओं को चिन्हित करें. उनको अगर हमारे, समाज के प्रयासों से पुर्नजीवित किया जा सकता है तो हम व्यक्तिगत प्रयासों से इस कार्य को आगे बढ़ायेंगे.
जल गंगा संर्वधन अभियान के तहत हमने पंचायत स्तर पर इस प्रकार के निर्देश दिये हुए है. अगर ग्रामीणजन पेयजल में आत्मनिर्भर बनेंगे तो यह समाज के लिये, उनके लिये एक बेहतर कदम होगा.

**डॉ गिरीश कुमार मिश्रा**
**जिला कलेक्टर, राजगढ़**

# स्टेट हाईवे पर सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 25 अप्रैल, का. स्टेट हाईवे पर सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत होने का मामला सामने आया है. वाहन की टक्कर से दोनों 20 फीट दूर खेत में जाकर गिरे. हादसा छापीहेड़ा थाना क्षेत्र के सण्डावता चौकी अंतर्गत पचोर सोयत स्टेट हाईवे पर खंजरपुर जोड़ के पास होना बताया गया है.**

जानकारी के अनुसार शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात मां-बेटे जा रहे थे. उनकी पहचान खिलचीपुर तहसील के बरखेड़ा भोजा निवासी छतर सिंह नागर और उनकी मां लक्ष्मीबाई नागर के रूप में हुई है. दोनों चिड़लावनिया गांव में एक शादी समारोह से देर रात बाइक से घर लौट रहे थे. तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी.

शनिवार सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक और खेत में शव पड़े देखे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल छापीहेड़ा भिजवाया.इसके साथ ही अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं और आरोपी की तलाश जारी है. घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है.

## अज्ञात युवक का प्राणांत

**ब्यावरा 25 अप्रैल, का.** राजगढ़ बायपास चौराहा स्थित ओव्हर ब्रिज पर शनिवार की सुबह किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत होने की घटना प्रकाश में आई है. देर शाम तक युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी. देहात पुलिस के अनुसार किसी अज्ञात वाहन ने ब्रिज के ऊपर पैदल जा रहे युवक को टक्कर मार दी. जिससे युवक का प्राणांत हो गया. युवक की उम्र करीब 26 वर्ष बताई जाती है. युवक के शव को सिविल अस्पाताल के (मर्चुरी रूम) में रखा गया है.

# दो दिन फिर बंद रहेगी कृषि मंडी

नवभारत न्यूज

**ब्यावरा 25 अप्रैल, का.** आज और कल दो दिन स्थानीय कृषि मंडी में अवकाश रहेगा. मंडी प्रबंधन के अनुसार आज 26 अप्रैल को माह का चौथा रविवार होने तथा कल 27 अप्रैल को सोमवार साप्ताहिक अवकाश के चलते दो दिन मंडी में नीलामी कार्य नहीं होगा. इन दो दिन किसान भाई अपनी कृषि उपज विक्रय हेतु मंडी में नहीं लावे. विभिन्न कारणों के चलते अप्रैल माह के 2, 3, 12, 13, 14, 17, 19, 20 तारीख को नीलामी कार्य बंद होकर अवकाश रहा. अब एक बार फिर 26 एवं 27 अप्रैल को मंडी में अवकाश रहेगा. सीजन के समय अधिकांश समय अवकाश के कारण उपज विक्रय करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है. इन दिनों शादी ब्याह का सीजन होने तथा अन्य जरुरी कार्यो के चलते पैसों की आवश्यकता को देखते हुए मंडी में अवकाश होने पर मजबूरी में कम भाव पर बाजार में उपज बेचना पड़ता है.

# बिना हेलमेट बाइक और सीटबेल्ट के कार चलाने पर चालान बनाया

नवभारत न्यूज

**सारंगपुर 25 अप्रैल, सं.** लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि सामने आ रहे है. इन संभावित हादसों की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी के निर्देशन में सारंगपुर पुलिस द्वारा लगातार सघन वाहन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है.

शनिवार को थाना सारंगपुर प्रभारी निरी. आकांक्षा हाडा एवं उनकी टीम द्वारा सारंगपुर शहर एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाते हुए अभी तक 16 वाहनो पर बिना हेलमेट के आवागमन करने वाले वाहनो को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत चालानी कार्यवाही की गई.

जिसमे 4 हजार 5 सौ रूपए चालानी राशि वसूल कि गई. संबंधित वाहन चालकों हेलमेट पहनने हेतु उसकी उपयोगिता बताई गई.

कार्यवाही के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एंव सीटबेल्ट लगा कर वाहन संचालित करने हेतु समझाइश भी दी गई. साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में यदि कोई दो पहिया ,चार पहिया वाहन बिना हेलमेट व सीटबेल्ट के पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर चालानी कार्यवाही की जावेगी. थाना प्रभारी सारंगपुर द्वारा बताया गया कि यह अभियान केवल चालानी कार्यवाही तक सीमित न रहकर जनजागरूकता का भी माध्यम है, ताकि वाहन चालक स्वयं नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यातायात व्यवस्था में सहयोग करें.

# विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 25 अप्रैल, का.** कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में संचालित शीरधारा ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित 47 ग्रामों में से 42 ग्रामों में पशु चिकित्सा एवं पशुपालक जागरूकता शिविर शनिवार को आयोजित किए गए. विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर समस्त विकासखंड अधिकारी, पशु चिकित्सा क्षेत्रीय अधिकारी, मैत्री, पशु सखी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे.

जिला नोडल अधिकारी डॉ. सोनाली ठाकुर द्वारा बताया गया कि शेष ग्रामों में शिविर 26 अप्रैल रविवार को आयोजित किए जाएंगे. मुख्य रूप से सलेपुर, जयनगर, धनियारी, किशनपुरा, सरेड़ी, आशापुरा और शमशेरपुरा में आयोजन किया गया. इन शिविरों में किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रतिनिधि तथा 21 स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी शामिल हुईं. इसके अतिरिक्त, ब्यावरा में मालवा डेयरी और निजी दुग्ध समितियों के सदस्य भी शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान शीरधारा ग्राम योजना के उद्देश्यों को पशुपालकों के साथ साझा किया गया. कृषि विज्ञान केंद्र राजगढ़ के वैज्ञानिक डॉ. लाल सिंह ने पशुपालकों को खाद एवं हरा चारा प्रबंधन की जानकारी दी .पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सरपंचों एवं पदाधिकारियों ने भी योजना की जानकारी दी.

जिले में आयोजित सभी 42 शिविरों में कुल 1,566 पशुपालकों को लाभ मिला तथा 1,598 पशुओं का उपचार, औषधि वितरण एवं बांझपन निवारण किया गया. 87 किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन, डेयरी

# प्राचीन पांडुलिपियों का होगा डिजिटलीकरण

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 25 अप्रैल, का. जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जिला प्रशासन द्वारा ज्ञान भारतम् अभियान को गति प्रदान की जा रही है.**

इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में बताया गया कि जिले में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों, भोजपत्रों एवं ताम्रपत्रों का डिजिटलीकरण कर उन्हें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा विकसित ज्ञान भारत ऐप पर अपलोड किया जाएगा. बैठक में बताया गया कि संस्कृति मंत्रालय की यह महत्वाकांक्षी पहल देशभर में बिखरी अमूल्य ज्ञान-संपदा को एकीकृत डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. इस पोर्टल पर अपलोड होने के पश्चात दुर्लभ पांडुलिपियां वैश्विक स्तर पर शोधकर्ताओं एवं जिज्ञासुओं के लिए सुलभ हो सकेंगी. साथ ही, सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित कर भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सकेगा.

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने जिले के नागरिकों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से अपील की है कि यदि उनके पास किसी प्रकार की प्राचीन पांडुलिपि, भोजपत्र या ताम्रपत्र उपलब्ध हो, तो वे इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करें.

इच्छुक व्यक्ति अपनी निजी धरोहर का डिजिटलीकरण कराकर उसे ज्ञान भारत ऐप पर प्रदर्शित कर सकते है. डिजिटलीकरण एवं अपलोड प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन हेतु जिला प्रशासन द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इच्छुक व्यक्ति जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक अभिषेक रघुवंशी कलेक्टर कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं.

# बाल कल्याण समिति ने आवाज उठाई

## सांदीपनी स्कूलों में प्रवेश का मामला

**बच्चों के हित में विभाग और प्रशासन को पत्र लिखा**

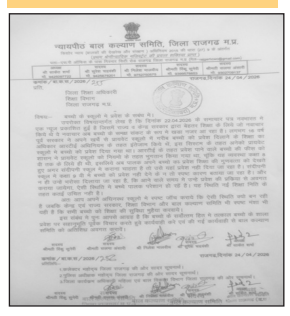

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 25 अप्रैल, का. सांदीपनी स्कूलों में शासकीय स्कूलों के बच्चों के प्रवेश को लेकर आ रही दिक्कतों के संबंध में नवभारत ने समाचार प्रकाशन किया था. इसे लेकर अब बाल कल्याण समिति ने भी बच्चों के हित जिला शिक्षाधिकारी और शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है.**

समिति के अध्यक्ष साकेत शर्मा व सदस्यगणों सुरेश चद्रवंशी सदस्य, निलेश मालवीय, श्रीमती रिंकू सुमेरी, सारमा अंसारी ने पत्र में लिखा है कि 22 अप्रैल के समाचार पत्र नवभारत में एक न्यूज प्रकाशित हुई है जिसमें राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा बेहतर शिक्षा के लिये जो नवाचार किये थे वे नवाचार अब बच्चों के समक्ष संकट के रूप में खडा नजर आ रहा है. लगभग 15 वर्ष पूर्व सरकार ने अपने खर्च से प्रायवेट स्कूलो में गरीब बच्चों को प्रवेश दिलाने के शिक्षा का अधिकार आरटीई अधिनियम के तहत इंतेजाम किये थे. इस सिस्टम के तहत अनेकों प्रायवेट स्कूलो मे बच्चों को प्रदेश दिया गया था. आरटीई के तहत प्रवेश पाने वाले बच्चों की फीस को शासन ने प्रायवेट स्कूलो को नियमो के तहत भुगतान किया गया था, चूंकि यह व्यवस्था कक्षा 8 वी तक के लिये ही थी. इसलिये अब पालक अपने बच्चों का प्रवेश शिक्षा की गुणवत्ता को देखते हुए अगर संदीपनी स्कूल में कराना चाहता है तो उसे यहां प्रवेश नहीं दिया जा रहा है. संदीपनी स्कूल में कक्षा 9 वी में बच्चो को प्रवेश नहीं देने के न तो स्पष्ट कारण बताया जा रहा है. और न ही उन्हें भरोसा दिलाया जा रहा है, कि आने वाले समय में उन्हें प्रदेश की प्रक्रिया से अवगत कराया जायेगा, ऐसी स्थिति में बच्चे पालक परेशान हो रहें है. यह स्थिति नई शिक्षा निति के तहत कतई उचित नहीं है.

### जांच कराएं की ऐसी स्थिति क्यों बनी

अतः आप अपने अधिनस्थ स्कूलो में स्पष्ट जॉच कराये कि ऐसी स्थिति क्यो बन रही है जबकि केन्द्र एवं राज्य सरकार, शिक्षा विभाग और बाल कल्याण समिति भी स्पष्ट मंशा भी यही है कि सभी बच्चों को शिक्षा की सुविधा मुहैया करवाये. समिति ने पत्र में कहा कि इस संबंध में बच्चों के सर्वोत्तम हित में तत्काल बच्चों के शाला प्रवेश पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुये कार्यवाही करे. पत्र जिला कलेक्टर सहित एसपी पुलिस राजगढ़ और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को भी सौंपा है.

**लापरवाही** | **3 घंटे तक दर्जनों मरीजों के साथ गर्भवती महिलाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा**

# इंटरनेट रिचार्ज खत्म होते ही पैथोलॉजी जांचें हुई बंद

नवभारत न्यूज

**राजगढ़ 25 अप्रैल, का.** जिला चिकित्सालय की सरकारी पैथोलॉजी लैब में महज इंटरनेट रिचार्ज खत्म होने से शनिवार को स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी लापरवाही उजागर हो गई. करीब तीन घंटे तक खून की जांच पूरी तरह बाधित रही. जिससे दर्जनों मरीजों के साथ गर्भवती महिलाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा. लैब में सैंपल लेने के बाद पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण इंटरनेट बंद होते ही काम ठप हो गया और मरीजों की लंबी कतार लग गई.

जानकारी के अनुसार, लैब में लगे निजी कंपनी के इंटरनेट डेटा का रिचार्ज समाप्त हो गया था. हैरानी की बात यह है कि रिचार्ज खत्म होने से दो दिन पहले से अलर्ट मैसेज मिलते हैं. बावजूद इसके प्रबंधन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया. इसका खामियाजा सीधे मरीजों को भुगतना पड़ा. श्रीमती रजनी, पेंशनर गजेंद्र के अनुसार करीब 11 बजे से 1.30 बजे तक इंतजार करना पड़ा. स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब सुरक्षित मातृत्व दिवस हर माह की 9 और 25 तारीख के तहत जांच कराने आई गर्भवती महिलाओं को भी इंतजार करना पड़ा. भीड़ बढ़ने और मरीजों के आक्रोश के बाद कर्मचारियों ने जल्दबाजी में एक माह का रिचार्ज कराया. तब जाकर करीब दो से तीन घंटे बाद जांच प्रक्रिया फिर से शुरू हो सकी.

इस दौरान कई मरीज बिना जांच कराए ही लौट गए. जबकि कुछ ने मजबूरी में निजी लैब का रुख किया. कर्मचारियों ने इंटरनेट बंद होने का बोर्ड लगाकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया. जिससे मरीज इधर-उधर भटकते रहे.

यह घटना सवाल खड़े करती है कि करोड़ों के बजट वाले जिला अस्पताल में इतनी बुनियादी व्यवस्था भी समय पर सुनिश्चित क्यों नहीं की गई. शासन भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए योजनाएं चला रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर पर इस तरह की लापरवाही मरीजों की सेहत के साथ सीधा खिलवाड़ साबित हो रही है.

### रिचार्ज की लापरवाही से ठप हुई जांच व्यवस्था

महज इंटरनेट रिचार्ज खत्म होने से घंटों तक खून की जांच प्रभावित होना अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता को दर्शाता है. मरीजों और गर्भवती महिलाओं को हुई परेशानी ने व्यवस्थाओं की पोल खोल दी. अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला प्रशासन इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई करता है या फिर ऐसी लापरवाही आगे भी जारी रहेगी.

मुझे इंटरनेट बंद होने का फोन आया था तो मैने तुरंत रिचार्ज करने का बोल दिया था. यदि मरीज परेशान हुए है तो इस कि जांच की जाएगी.
**डॉ रजनीश शर्मा, सिविल सर्जन राजगढ़**

जिला चिकित्सालय में इंटेटनेट रिचार्ज की वजह से मरीजो को परेशान होना बड़ी लापरवाही है. मै सम्बन्धित डिपार्टमेंट के डॉक्टर से बात करती हूं. इस तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए.
**श्रीमती निधि भारद्वाज, एसडीएम राजगढ़**